लखनऊ-कानपुर
एक्सप्रेस-वे

15 जनवरी तक पूरी होगी टेंडर प्रक्रिया

केंद्र से बजट के लिए अगले सप्ताह मिल सकती है अनुमति, निर्माण के लिए दो पैकेज में टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ और कानपुर के बीच प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे (एनई-6) की टेंडर प्रक्रिया 15 जनवरी तक पूरी हो जाएगी। ऐसे में मार्च तक निर्माण भी शुरू हो जाएगा। एनएचएआई के अधिकारियों का कहना है कि निर्माण कार्य के बजट की औपचारिक अनुमति भी इसी सप्ताह मिल जाएगी। इसी की वजह से टेंडर प्रक्रिया अटकी थी और दो माह की देरी हुई। इसी सप्ताह तकनीकी बिड भी खुलेगी। एक्सप्रेस वे के निर्माण पर करीब 3399.85 करोड़ खर्च होने हैं।

एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक दो-तीन दिन में बजट स्वीकृति का औपचारिक आदेश मिल जाएगा। इस आदेश के जारी नहीं हो पाने से टेंडर प्रक्रिया कुछ समय के लिए आगे बढ़ानी पड़ी थी। एनएचएआई ने प्रोजेक्ट पर निर्माण शुरू कराने के लिए सितंबर में ही टेंडर कर दिया था, लेकिन बजट की अनुमति न मिलने से टेंडर खोलने की प्रक्रिया स्थगित कर इसकी तारीख आगे बढ़ा दी थी। अब लखनऊ से उन्नाव के बीच पैकेज-1 के लिए तकनीकी बिड को 15 दिसंबर को खुलेगी। बिड में शामिल होने के लिए अंतिम तारीख 14 दिसंबर है। वहीं उन्नाव से कानपुर के बीच पैकेज-2 के लिए तकनीकी बिड 20 दिसंबर को खोली जाएगी। इस बिड में शामिल होने की अंतिम तारीख 17 दिसंबर है।

दावा : 45 मिनट में लखनऊ से कानपुर

एक्सप्रेस-वे से लखनऊ से कानपुर केवल 45 मिनट में पहुंचने का दावा किया है। ऐसा एक्सप्रेस-वे पर गाड़ियों के करीब 100 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चलने की वजह से संभव होगा। खुद रक्षामंत्री व सांसद राजनाथ सिंह कई बार लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे को इन दोनों शहरों के ट्विन सिटी के रूप में विकसित होने का तेज रफ्तार हाइवे बता चुके हैं।

जल्द काम शुरू कराने की कोशिश

एनएचएआई के परियोजना निदेशक एनएन गिरि का कहना है कि लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे पर निर्माण कार्य 2022 की शुरुआत में कराए जाने की योजना है। इसके लिए दो पैकेज में निर्माण कराने के लिए चल रही टेंडर प्रक्रिया को जनवरी के मध्य तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद यथाशीघ्र काम भी शुरू करा दिया जाएगा।

63 किमी लंबा होगा छह लेन का एक्सप्रेस-वे

एनएचएआई के रिकॉर्ड के मुताबिक लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे की लंबाई करीब 63 किमी है। यह छह लेन का होगा। पैकेज-1 में 17.520 किमी और पैकेज-2 में 45.244 किमी का निर्माण होगा। पैकेज-1 में करीब 1675.18 करोड़ और पैकेज-2 में करीब 1724.67 करोड़ खर्च होने हैं। पैकेज-1 में एलीवेटेड सेक्शन अधिक होने से लागत भी अधिक रहेगी। यह निर्माण हाइब्रिड एन्युटी मॉडल पर होना है। इसमें इसमें 60 प्रतिशत लागत कंपनी को उठानी होती है। इसका भुगतान एनएचएआई 15 साल में छमाही किस्तों में करेगा। वहीं बाकी 40 प्रतिशत धनराशि को निर्माण के समय ही पांच किस्तों में कंपनियों को दे दिया जाएगा।

राजाजीपुरम में सड़क की दोबारा मरम्मत शुरू

लखनऊ। राजाजीपुरम सी ब्लॉक में सेंट जोसेफ स्कूल के सामने करीब 300 मीटर बनी सड़क तीन बाद ही उखड़ गई थी। इस पर स्कूल के प्रबंध निदेशक अनिल अग्रवाल ने महापौर को जानकारी दी। महापौर शुक्रवार को मौके पर पहुंचीं और दोबारा सड़क बनाने के निर्देश दिए। शनिवार को सड़क बनाने का काम शुरू हो गया। (माई सिटी रिपोर्टर)

बसंतकुंज में 15 से देना है कब्जा, अभी 200 फ्लैटों का ढांचा तक नहीं बना पाया एलडीए

पीएम आवास बनाने में लापरवाही

लखनऊ। बसंतकुंज में जिन प्रधानमंत्री आवासों पर 15 दिसंबर से कब्जा दिया जाना है, वहां एलडीए अब तक 200 से अधिक फ्लैटों का ढांचा तक नहीं खड़ा कर पाया है। शनिवार को वीसी अक्षय त्रिपाठी के निरीक्षण के समय यह लापरवाही सामने आई। अब वीसी ने यहां अवर अभियंताओं को खुद बैठकर काम कराने के लिए कहा है। यही नहीं अब यहां एक की जगह छह अवर अभियंता काम कराएंगे। सचिव पवन गंगवार ने बताया कि 2256 आवासों में से 1200 को बनाने का काम प्रताप हाइट्स के पास है। इसमें से करीब 200 आवास का अभी ढांचा भी नहीं बना है। ठेकेदार फर्म को चेतावनी दी गई है। उन्होंने अधूरे कामों को पूरा कराने के लिए अवर अभियंताओं की ड्यूटी लगाने का भी आदेश दिया है। (माई सिटी रिपोर्टर)